इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स का मासिक न्यूजलेटर प्रति माह 40/ रुपए
(आईएसओ 9001 : 2015 द्वारा प्रमाणित)

व्यावसायिक
उत्कृष्टता के
प्रति प्रतिबद्ध

आईआईबीएफ विजन

खंड : 10 अंक : 3 अक्तूबर, 2017 पृष्ठों की संख्या 15

विजन : बैंकिंग और वित्त के क्षेत्र में सक्षम व्यावसायिक शिक्षित एवं विकसित करना।

मिशन : प्राथमिक रूप से शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा, परामर्श और निरंतर आधार वाले व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों की प्रक्रिया के माध्यम से सुयोग्य और सक्षम बैंकरों एवं वित्तीय व्यावसायिकों का विकास करना।

इस अंक में

मुख्य घटनाएँ ----------2
बैंकिंग से संबन्धित नीतियाँ ----------3
बीमा ----------4
नयी नियुक्तियाँ ---------- 5
उत्पाद एवं गठजोड़ ----------5
विदेशी मुद्रा ----------6
सूक्ष्मवित्त ----------7
शब्दावली ----------7
वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी ----------7
संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां ----------8
संस्थान समाचार ---------- 8
नयी पहलकदमी ----------12
बाजार की खबरें ----------13

इस प्रकाशन में समाविष्ट सूचना / समाचार की मदें सार्वजनिक उपयोग अथवा उपभोग हेतु विविध बाह्य स्रोतों/ मीडिया में प्रकाशित हो चुकी/चुके हैं और अब वे केवल सदस्यों एवं अभिदाताओं के लिए प्रकाशित की/ किए जा रही / रहे हैं। उक्त सूचना/समाचार की मदों में व्यक्त किए गए विचार अथवा वर्णित/उल्लिखित घटनाएँ संबन्धित स्रोत द्वारा यथा-अनुभूत हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स समाचार मदों/घटनाओं अथवा जिस किसी भी प्रकार की सच्चाई अथवा यथार्थता अथवा अन्यथा के लिए किसी भी प्रकार से न तो उत्तरदाई है, न ही कोई उत्तरदायित्व स्वीकार करता है।

मुख्य घटनाएँ

जोखिम श्रेणी-निर्धारण : भारतीय रिजर्व बैंक समाभिरूपता के पक्ष में

भारतीय रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट 2016-17 में उसके जोखिम निगरानी विभाग द्वारा एक वेब-समर्थित जोखिम रिपोर्टिंग एवं विश्लेषण प्लेटफार्म अर्थात लेखा-परीक्षा प्रबंधन तथा जोखिम निगरानी प्रणालियों (AMRMS) का विकास करने के लिए निरीक्षण विभाग के साथ मिलकर एक परियोजना आरंभ किए जाने का उल्लेख है। जहां तक सरकारी और बैंक खातों का संबंध है, माल एवं सेवा कर (GST) पर राज्यों के वित्त मंत्रियों की अधिकार-प्राप्त समिति ने माल एवं सेवा कर के लिए बैंकिंग व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया है, जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक निधियों का समाहर्ता (aggregator) होगा। एजेंसी बैंकों वाली प्रणालियों को भी भारतीय रिजर्व बैंक के कोर बैंकिंग समाधान (ई-कुबेर) के साथ एकीकृत किया जा रहा है।

सभी समकक्षीय उधार फ़र्मों को गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा

भारतीय रिजर्व बैंक ने यह अनिवार्य कर दिया है कि समकक्ष उधार देने के व्यवसाय में संलग्न बैंकेतर संस्थाओं को गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFCs) के रूप में वर्गीकृत किया जाना चाहिए। भारत में फिंटेक ऋणदाताओं की तीन व्यापक श्रेणियाँ परिचालन

करती हैं – वे जो वैयक्तिक ऋणदाताओं को उधारकर्ताओं से जोड़ती हैं; वे जो संस्थागत

ऋणदाताओं की उनके उत्पादों के लिए उपयुक्त उधारकर्ताओं की पहचान करने में सहायता करती हैं; और वे जो स्वयं अपनी बहियों से ऋण संवितरित करती हैं। ऋणदाताओं की तीसरी श्रेणी पहले से ही गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के रूप में पात्र हो चुकी है।

बैंकिंग से संबन्धित नीतियाँ

मसाला बॉंड़ों को बाह्य वाणिज्यिक उधार माना जाएगा

रुपए में मूल्यवर्गित विदेशी बाण्डों अर्थात मसाला बाण्डों को जारी किए जाने के मानदंडों को शिथिल करते हुये भारतीय रिजर्व बैंक ने यह घोषित किया है कि 3 अक्तूबर के बाद से मसाला बाण्डों को बाह्य वाणिज्यिक उधार (ECB) माना जाएगा जिसके जरिये विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) द्वारा अधिक निवेश को मुक्त बनाया जाएगा। वर्तमान में कारपोरेट बाण्डों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा निवेश की सीमा 2,44,323 करोड़ रुपए है। इसमें निवासी कंपनियों/संस्थाओं द्वारा भविष्य में जारी किए जाने वाले (बाण्डों) सहित 44,001 रुपए के मसाला बाण्डों का बीमा शामिल है। 3 अक्तूबर से मसाला बाण्ड कारपोरेट बाण्डों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशों की सीमा के अंग नहीं होंगे।

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को निजी इक्विटी, उद्यम ऋण निधियों में निवेश करने की अनुमति दी, किंतु स्थावर संपदा निवेश न्यासों, मूलभूत सुविधा निवेश न्यासों में बैंकों के एक्सपोजर को यूनिट पूंजी के 10% तक सीमित किया

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंको को श्रेणी II वाली वैकल्पिक निवेश निधियों (AIFs), जिनमें निजी इक्विटी और उद्यम ऋण निधियों का समावेश है, में निवेश करने की अनुमति दे दी है। भारतीय रिजर्व बैंक के 16 मई के आदेश में संशोधन इस निवेश

तथा उक्त सीमा को उद्यम पूंजी, निजी इक्विटी एवं उद्यम ऋण निधियों की पूंजी के 10% पर बनाए रखने की अनुमति देता है। इसके पहले, बैंक श्रेणी I वाली वैकल्पिक निवेश निधियों की चुकता पूंजी अथवा यूनिट पूंजी, जिसमें उद्यम पूंजी शामिल है, में निवेश कर सकते थे। तथापि, स्थावर संपदा निवेश निधियों और मूलभूत सुविधा निवेश निधियों में निवेश उनकी निवल मालियत के 20% की समग्र उच्चतम सीमा की शर्त पर किसी स्थावर संपदा निवेश न्यास अथवा मूलभूत सुविधा निवेश न्यास की यूनिट पूंजी के 10% से अधिक नहीं होना चाहिए।

भारतीय रिजर्व बैंक ने सरकारी बाण्डों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश की सीमा बढ़ाई

भारतीय रिजर्व बैंक ने 3 अक्तूबर, 2017 से सरकारी बाण्डों में निवेश पर विदेशी पोर्टफोलियो निवेश की सीमा में अक्तूबर - दिसंबर अवधि के लिए कुल 14,200 करोड़ रुपए की वृद्धि की है। विदेशी केंद्रीय सरकार के बाण्डों के 5% बकाए तथा सरकारी ऋणों के 2% बकाए के स्वामी बन सकते हैं।

बीमा

पालिसियाँ बेचने के 15 दिनों के भीतर आई-बीमा खाते खोलें

भारतीय बीमा और विकास प्राधिकरण (IRDAI) ने यह विनिर्दिष्ट किया है कि स्वत: नेटवर्किंग प्लेटफार्म (ISNP) पर बेची गई पालिसियों के लिए इलेक्ट्रानिक बीमा खाते खोलने वाले सभी बीमाकर्ताओं को किसी बिक्री के 15 दिनों के भीतर एक इलेक्ट्रानिक बीमा खाता खोलना होगा। सभी बीमाकर्ताओं, बीमा मध्यवर्तियों और बीमा रिपोजिटरियों के लिए यह आवश्यक होगा कि वे ई-हस्ताक्षर के विकल्प के रूप में इलेक्ट्रानिक बीमा खाता खोलने के लिए एकबारगी पासवर्ड अनुज्ञा को वैध करवा लें।

ईरडाई पैनल 2021 तक जोखिम-आधारित पूंजी प्रणाली को कार्यान्वित करने में सहायता करेगा

भारतीय बीमा और विकास प्राधिकरण (IRDAI) ने उस नयी जोखिम-आधारित पूंजी (RBC) प्रणाली को कार्यान्वित करने के लिए एक 10 सदस्यीय संचालन समिति का गठन किया है जो मार्च 2021 तक पालिसी धारकों को संरक्षण भी बढ़ा देगी। प्रणाली में बदलाव की जरूरत इसलिए महसूस की जा रही है, क्योंकि शोधक्षमता पर आधारित वर्तमान नियम इस बात का निर्धारण करने में सहायता नहीं करते कि धारित पूंजी बीमा व्यवसाय में अंतर्निहित जोखिमों के लिए पर्याप्त है अथवा नहीं। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर डा॰ ऊर्जित पटेल ने बैंकों से उन वर्तमान दबावग्रस्त आस्तियों के निराकरण हेतु हेयरकट लेने के लिए कहा है, जिनके लिए उन्हें उच्चतर पूंजीकरण की आवश्यकता होगी। समस्त निराकरण प्रयासों की सफलता एवं विश्वसनीयता लागतों को अवशोषित करने हेतु सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के तुलनपत्रों की शक्ति पर महत्वपूर्ण रूप से आश्रित होगी।

नयी नियुक्तियाँ

नाम	पदनाम/संगठन
श्री अजय विपिन नानावटी	सिंडिकेट बैंक के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त
श्री पी॰ आर॰ शेषाद्रि	करूर वैश्य बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में नियुक्त
श्री के॰ वी॰ रामा मूर्ति	भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्वी स्थानीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त
श्री गोविंद क्षीरसागर	कास्मास सहकारी बैंक के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त
श्री संबामूर्ति	भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NCPI) के अन्तरिम अध्यक्ष के में नियुक्त

उत्पाद एवं गठजोड़

संगठन	जिसके साथ गठजोड़ हुआ वह संगठन	उद्देश्य
बैंक आफ बड़ौदा	फिनोलेक्सप्लासन इंडस्ट्रीज प्रा॰ लिमिटेड	भारतभर में उनकी शाखाओं के नेटवर्क के माध्यम से किसानों का उनके खेतों में लघु सिंचाई योजना संस्थापित करने हेतु वित्तीयन करना।
येस बैंक	सैमसंग	येस बैंक के क्रेडिट कार्ड धारकों को व्यापारी बिक्री केन्द्रों पर टैप एंड पे विकल्प का प्रयोग करने में समर्थ बनना।
पेटीएम भुगतान बैंक	भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI)	रुपे चालित डिजिटल डेबिट कार्ड की शुरुआत करना।

विदेशी मुद्रा

विदेशी मुद्रा की प्रारक्षित निधियाँ

मद	29 सितंबर, 2017 के दिन बिलियन रुपए	29 सितंबर, 2017 के दिन मिलियन अमरीकी डालर
कुल प्रारक्षित निधियाँ	26,085.4	3,99,656.7
(क) विदेशी मुद्रा आस्तियां	24,513.8	3,75,186.4
(ख) सोना	1,324.6	20,691.9
(ग) विशेष आहरण अधिकार	98.2	1,502.0
(घ) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में प्रारक्षित निधि की स्थिति	148.8	2,276.4

अक्तूबर, 2017 माह के लिए लागू अनिवासी विदेशी मुद्रा (बैंक) की न्यूनतम दरें

विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमाराशियों की आधार दरें

मुद्रा	1 वर्ष	2 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	5 वर्ष
अमरीकी डालर	1.54400	1.71200	1.82700	1.89900	1.97300
जीबीपी	0.60140	0.8175	0.9257	1.0138	1.1000
यूरो	-0.23000	-0.163	-0.043	0.096	0.241
जापानी येन	0.02630	0.048	0.069	0.094	0.121

कनाडाई डालर	1.85000	1.917	2.026	2.097	2.155

आस्ट्रेलियाई डालर	1.88300	2.020	2.180	2.470	2.990
स्विस फ्रैंक	-0.60250	-0.495	-0.393	-0.283	-0.126
डैनिश क्रोन	-0.12170	0.0287	0.1150	0.2590	0.4140
न्यूजीलैंड डाल	2.05300	2.230	2.423	2.598	2.750
स्वीडिश क्रोन	-0.39100	-0.175	-0.048	0.248	0.455
सिंगापुर डालर	1. 19500	1.400	1.570	1.725	1.859
हांगकांग डालर	1.12000	1.390	1.570	1.700	1.810
म्यामार	3.52000	3.580	3.650	3.690	3.750

सूक्ष्मवित्त

एमफिन ने सूक्ष्मवित्त संस्थाओं के लिए आचरण संहिता जारी की

1,06,823 करोड़ रुपए के सूक्ष्मवित्त उद्योग के स्व विनियामक संगठन सूक्ष्म वित्त संस्था नेटवर्क (MFIN) ने अपने सदस्यों के लिए परस्परिक रूप से सहमत एक ऐसी आचरण संहिता जारी की है जो सूक्ष्म ऋण अंतराल में उधार देने वाली सभी संस्थाओं पर लागू होगी। इस संहिता का उद्देश्य व्यवसाय संचालन नियमों का एक ऐसा एकसमान सेट उपलब्ध करना है जो उत्तरदायी उधार एवं सूक्ष्मवित्त ग्राहक संरक्षण सुनिश्चित करने हेतु क्षेत्र विशिष्ट तथा संस्था सम्बद्ध है। इन संहिताओं का उद्देश्य सूक्ष्मवित्त उधारकर्ताओं को अति-ऋणग्रस्तता से संरक्षित करना और उनके हितों की रक्षा करना है।

शब्दावली

समकक्षीय (Peer to Peer)

समकक्षीय ऋणदाता विशिष्ट रूप से एक ऐसा फिंटेक प्लेटफार्म होता है जो ऋणदाताओं और संभावित उधारकर्ताओं को एक-दूसरे से जोड़ने मेँ सहायता करता है। "समकक्षीय

उधार प्लेटफार्म का व्यवसाय" पद का तात्पर्य होगा "उन सहभागियों, जिन्होंने उस प्लेटफार्म के साथ उसके द्वारा आनलाइन माध्यम अथवा अन्यथा प्रदान की जाने वाली उसे (प्लेटफार्म को) उधार देने अथवा ऋण सुविधा सेवाएँ प्राप्त करने हेतु कोई करार कर रखा है, को किसी संविदा के अधीन ऋण सुविधा की सेवा प्रदान करना।"

वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी

उत्तलता (Convexity)

यह अवधि की परिवर्तन दर का निरूपण करती है। यह किसी बाण्ड की वास्तविक कीमत और आशोधित अवधि द्वारा अनुमानित कीमत के बीच का अंतर होती है।

संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां

अक्टूबर - नवंबर, 2017 माह के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रम सं.	कार्यक्रम का नाम	तिथि	स्थान
1	अपने ग्राहक को जानिए/धन-शोधन निवारण/वित्तीय आतंकवाद का मुक़ाबला	25 से 27 अक्तूबर	मुंबई
2	लघु एवं मध्यम उद्यम वित्तीयन	06 से 10 नवंबर	मुंबई
3	प्रमाणित खजाना व्यापारी	10 से 12 नवंबर	मुंबई
4	ऋण निगरानी	13 से 15 नवंबर	मुंबई
5	आवास वित्त	25 से 27 अक्तूबर	मुंबई
6	पहली बार शाखा प्रबन्धक	13 से 18 नवंबर	चेन्नै
7	प्रमाणित ऋण अधिकारी	15 से 22 अक्तूबर	कोलकता
8	खुदरा ऋण	23 से 26 अक्तूबर	दिल्ली

9	प्रमाणित ऋण अधिकारी	6 से 10 नवंबर	दिल्ली
10	तुलनपत्र पठन और अनुपात विश्लेषण	13-14 नवंबर	दिल्ली

संस्थान समाचार

बैंकों में क्षमता निर्माण

भारतीय बैंक संघ ने सदस्य बैंकों को संबोधित दिनांक 26 अप्रैल, 2017 के अपने परिपत्र के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अभिज्ञात क्षेत्रों अर्थात खजाना परिचालन, जोखिम प्रबंधन, लेखांकन और लेखा-परीक्षा एवं ऋण प्रबंधन में प्रमाणन के लिए 11 संस्थाओं के नाम अभिज्ञात किए थे ।

इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स उन अभिज्ञात संस्थाओं में से एक ऐसी संस्था है जो खजाना परिचालन, जोखिम प्रबंधन तथा ऋण प्रबंधन के क्षेत्रों में प्रमाणन प्रदान करता है। लेखांकन और लेखा-परीक्षा पर पाठ्यक्रम शीघ्र ही उपलब्ध कराये जाएंगे।

उपर्युक्त पाठ्यक्रमों के अलावा, भारतीय रिजर्व बैंक ने भारतीय बैंक संघ को संबोधित दिनांक 31 मई, 2017 के अपने पत्र में इस बात का उल्लेख किया है कि "विदेशी मुद्रा परिचालन" पर विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ (FEDAI) के सहयोग से इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स द्वारा उपलब्ध कराया जाने वाला पाठ्यक्रम उन लोगों के लिए एक अनिवार्य अर्हता होगी, जो खजाना परिचालन सहित विदेशी मुद्रा परिचालन में कार्यरत हैं या कार्य करने के इच्छुक हैं।

संस्थान द्वारा उपर्युक्त विषयों के लिए परीक्षा सामान्यतया छः माह में एक बार आनलाइन मोड के जरिये देशभर में स्थित 130 से अधिक केन्द्रों में आयोजित की जाती है। हालांकि, बैंकों एवं अभ्यर्थियों के लाभार्थ इन तीन पाठ्यक्रमों के लिए इसके नीचे दिये गए कार्यक्रम के अनुसार एक अतिरिक्त परीक्षा का आयोजन किया जाएगा :

परीक्षा का नाम	परीक्षा की तिथि
प्रमाणित ऋण अधिकारी	29-10-2017; 25-11-2017; 23-12-2017 07-01-2018; 24-02-2018; 24-03-2018

प्रमाणित खजाना व्यापारी	29-10-2017; 28-01-2018
वित्तीय सेवाओं में जोखिम में प्रमाणपत्र	27-01-2018
विदेशी मुद्रा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	28-01-2018

बैंकिंग चाणक्य प्रश्नमंच

बैंकिंग चाणक्य भारत में कहीं भी स्थित वर्तमान में किसी भी बैंक में नियोजित सभी कर्मचारियों के लिए खुली एक प्रश्नमंच प्रतियोगिता है। विवरण के लिए http://www.bankingchanakya.com/. पर लागआन करें। पंजीकरण खिड़की 1 अक्तूबर से 7 नवंबर, 2017 तक खुली है। यह प्रतियोगिता तीन भागों में विभक्त है :

क॰ पहला प्रारम्भिक दौर है अंचल-वार आनलाइन प्रतियोगिता। प्रारम्भिक दौर में टीमें उनके कार्यालय/ घर की सहूलियत से सहभागिता कर सकती हैं।

ख॰ दूसरा भाग बुनियादी आयोजन है जिसमें अंचल स्तर वाले आयोजन शामिल हैं। चार भिन्न-भिन्न अंचलों (उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम) में चार बुनियादी आयोजन।

ग॰ तीसरा भाग प्रत्येक अंचल की विजेता टीमों को लेकर राष्ट्रीय स्तर के अंतिम दौर (Natioal Finale) वाला आयोजन है जिसे एक राष्ट्रीय दूरदर्शन चैनल पर प्रसारित किया जाएगा।

बैंकरों का सम्मेलन और लोकसंपर्क कार्यक्रम

90वें वर्ष में प्रवेश का उत्सव मनाने के लिए संस्थान ने अहमदाबाद, भुबनेश्वर और कोच्चि में बैंकरों के सम्मेलन और लोकसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया। भुबनेश्वर और अहमदाबाद में "बैंकों में वसूली प्रबंधन पर एनसीएलटी की भूमिका" पर एक पैनल विचार-विमर्श का आयोजन किया गया। कोच्चि में फेडरल बैंक लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री श्याम श्रीवास्तव ने मुख्य व्याख्यान दिया। उक्त सम्मेलन में वरिष्ठ बैंकरों एवं दिवाला व्यावसायिकों ने भाग लिया।

चार्टर्ड बैंकर इंस्टीट्यूट, एडिनबर्ग, यू. के. के साथ पारस्परिक मान्यता करार

संस्थान को चार्टर्ड बैंकर इंस्टीट्यूट, एडिनबर्ग, यू॰ के॰ के साथ पारस्परिक मान्यता करार हस्ताक्षरित होने की घोषणा करते हुये प्रसन्नता होती है। इस करार के अधीन भारत स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट आफ

बैंकर्स के प्रमाणित सहयोगी (CAIIB) अपनी अर्हताओं को चार्टर्ड बैंकर इंस्टीट्यूट द्वारा मान्यता दिलवाएँगे तथा वे संस्थान के व्यावसायिकता, आचारशास्त्र एवं विनियम माड्यूल का अध्ययन करके और परावर्तक दायित्व को सफलतापूर्वक पूरा करके चार्टर्ड बैंकर बनने में समर्थ होंगे।

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के साथ समझौता ज्ञापन

संस्थान ने सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्यमों के लिए प्रमाणित ऋण परामर्शी (CCC) कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए 11 जुलाई, 2017 को भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI) के साथ एक भागीदारी
करार किया। प्रमाणित ऋण परामर्शी बनने के इच्छुक पात्र अभ्यर्थियों को इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स द्वारा संचालित सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्यमों पर एक परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। उक्त परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर लेने पर तथा उसके बाद भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक द्वारा संचालित समुचित सावधानी जांच पूरी कर लेने के बाद अभ्यर्थी को प्रमाणित ऋण परामर्शी के रूप में
एक प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए नयी पाठ्यसमग्री

संस्थान ने 29 अप्रैल, 2017 को गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए अपनी नयी पाठ्यसामग्री की शुरुआत की। उक्त पुस्तक बैंकिंग भ्रातृसंध के उद्योग विशेषज्ञों द्वारा जारी की गई। इस विषय पर पहली परीक्षा जनवरी, 2018 में आयोजित की जाएगी।

मुंबई और कोलकाता स्थित संस्थान के स्वयं अपने परीक्षा केन्द्रों में परीक्षाएँ

वर्तमान में संस्थान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME), ग्राहक सेवा और धन-शोधन निवारण/आतंकवाद के वित्तीयन का मुक़ाबला नामक अपने तीन पाठ्यक्रमों के लिए प्रत्येक महीने

के दूसरे और चौथे शनिवारों को मुंबई एवं कोलकाता स्थित स्वयं अपने परीक्षा केन्द्रों में परीक्षाएँ आयोजित करता है। जून से लेकर अगस्त तक आयोजित की जाने वाली इन परीक्षाओं के लिए अनलाइन पंजीकरण 8 मई, 2017 से आरंभ हो रहा है। अभ्यर्थीगण अपनी पसंद की परीक्षा की तिथि एवं केंद्र का चयन कर सकते हैं। पंजीकरण पहले आए, पहले पाये के आधार पर होगा। उपर्युक्त पाठ्यक्रमों का कार्यक्रम हमारी वेबसाइट www.iibf.org.in.पर उपलब्ध है।

आगामी अंकों के लिए बैंक क्वेस्ट की विषय-वस्तुएं

बैंक क्वेस्ट के अक्तूबर – दिसम्बर, 2017 के आगामी अंक के लिए निर्धारित विषय-वस्तु है :

सूक्ष्म अनुसंधान आलेख- 2017

परीक्षाओं के लिए दिशानिर्देशों /महत्वपूर्ण घटनाओं की निर्धारित तिथि

संस्थान में इस बात की जांच करने के उद्देश्य से कि अभ्यर्थी अपने –आपको वर्तमान घटनाओं से अवगत रखते हैं या नहीं प्रत्येक परीक्षा में कुछ प्रश्न हाल की घटनाओं/ विनियामक/कों द्वारा जारी दिशानिर्देशों के बारे में पूछे जाने की परंपरा है। हालांकि, घटनाओं/दिशानिर्देशों में प्रश्नपत्र तैयार किए जाने की तिथि से और वास्तविक परीक्षा तिथि के बीच की अवधि में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। इन मुद्दों का प्रभावी रीति से निराकरण करने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि :

(i) संस्थान द्वारा फरवरी, 2017 से जुलाई, 2017 तक की अवधि के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध में प्रश्नपत्रों में समावेश के लिए विनियामक/कों द्वारा जारी अनुदेशों/दिशानिर्देशों और बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र में 31 दिसंबर, 2016 तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

(ii) संस्थान द्वारा अगस्त, 2017 से जनवरी, 2018 तक की अवधि के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध में प्रश्नपत्रों में समावेश के लिए विनियामक/कों द्वारा जारी अनुदेशों/दिशानिर्देशों
और बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र में 30 जून, 2017 तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

नई पहलकदमी

सदस्यों से अनुरोध है कि वे संस्थान के पास मौजूद उनके ई-मेल पते अद्यतन करा लें तथा वार्षिक रिपोर्ट ई-मेल के जरिये प्राप्त करने हेतु अपनी सहमति भेज दे।

आईआईबीएफ विजन के स्वामित्व और अन्य विवरणों से संबन्धित वर्णन

13

इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स का जर्नल

1. प्रकाशन स्थल	: मुंबई
2. प्रकाशन की आवधिकता	: मासिक
3. प्रकाशक का नाम	: डा. जिबेन्दु नारायण मिश्र
राष्ट्रीयता	: भारतीय
पता	: इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स कोहिनूर सिटी, कामर्शियल- II, टावर 1, किरोल रोड, कुर्ला (प), मुंबई- 400 070
4. संपाद्क का नाम	: डा. जिबेन्दु नारायण मिश्र
राष्ट्रीयता	: भारतीय
पता	: इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स कोहिनूर सिटी, कामर्शियल- II, टावर 1, किरोल रोड, कुर्ला (प), मुंबई- 400 070
5 प्रिन्टिंग प्रेस का नाम	: आनलुकर प्रेस, 16 सासून डाक, कोलाबा, मुंबई- 400 005
6. स्वामियों के नाम एवं पता	: इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स कोहिनूर सिटी, कामर्शियल- II, टावर 1, किरोल रोड, कुर्ला (प), मुंबई- 400 070

मैं, डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र, एतदद्वारा यह घोषणा करता हूं कि ऊपर दिये गए विवरण मेरी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य हैं।

31.03.2017 डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र

प्रकाशक के हस्ताक्षर

समाचार पंजीयक के पास आरएनआई संख्या 6928/1998 के अधीन पंजीकृत

भारित औसत मांग दरें

6.2
6.
5.8
5.6
5.4
5.2
5
4.8

अप्रैल, 2017, मई, 2017, जून, 2017, जुलाई, 2017, अगस्त, 2017, सितंबर, 2017

स्रोत : भारतीय समाशोधन निगम न्यूज़लेटर, सितंबर, 2017

भारतीय रिजर्व बैंक की संदर्भ दर

90
85
80
75
70
65

60
55
50
मई, 2017, जून, 2017, जुलाई, 2017, अगस्त, 2017, सितंबर, 2017
स्रोत : भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)

खाद्येतर ऋण वृद्धि %

15

8
6
4
2
0

अप्रैल, 2017, मई, 2017, जून, 2017, जुलाई, 2017, अगस्त, 2017
स्रोत : मंथली रिव्यू आफ इकानामी, भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड, सितम्बर, 2017

बंबई शेयर बाजार सूचकांक

33000
32000
31000
30000
29000
28000
27000
26000

मई, 2017, जून, 2017, जुलाई, 2017, अगस्त, 2017, सितम्बर, 2017
स्रोत : बंबई शेयर बाजार (BSE)

समग्र जमा वृद्धि %

11
10.5
10
9.5
9

16

8.5
8

अप्रैल, 2017, मई, 2017, जून, 2017, जुलाई, 2017, अगस्त, 2017
स्रोत : मंथली रिव्यू आफ इकानामी, भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड, सितम्बर, 2017

डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र द्वारा मुद्रित, डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र द्वारा इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनै
ओर से प्रकाशित तथा आनलुकर प्रेस, 16 सासुन डाक, कोलाबा, मुंबई- 400 018 में मुद्रित एवं इंडि
इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स, कोहिनूर सिटी, कामर्शियल-II, टावर-1, 2री मंजिल, किरो
कुर्ला (पश्चिम),,मुंबई – 400 070 से प्रकाशित।
संपादक : डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र

इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स
कोहिनूर सिटी, कामर्शियल-II, टावर-1, 2री मंजिल,
किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम), ,मुंबई – 400 070
टेलीफोन : 91-22-2503 9604/ 9607 फैक्स : 91-22-2503 7332
तार : INSTIEXAM ई-मेल : admin@iibf.org.in.
वेबसाइट : www.iibf.org.in.